



Saubhagya Mahakul

10 Apr 2001

Model: Numerology-Report

Order No: 121546701

अंक ज्योतिष फल

Model: Numerology-Report

Order No: 121546701

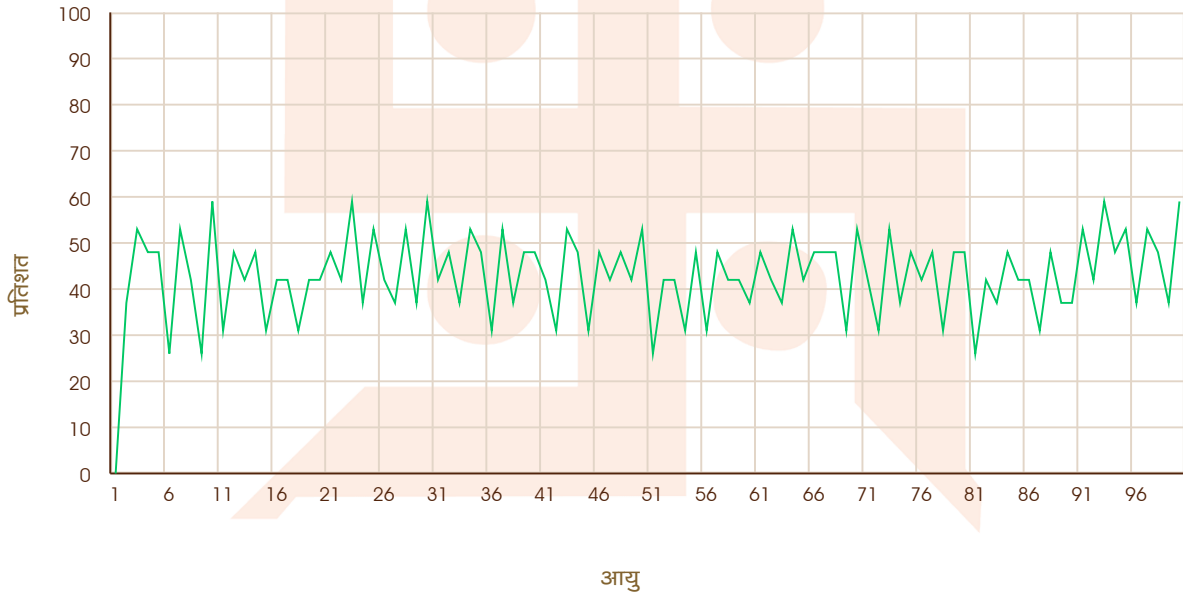
Date: 11/03/2026

नाम	Saubhagya Mahakul
जन्म तिथि	10/04/2001
मूलांक	1
भाग्यांक	8
नामांक	9
मूलांक स्वामी	सूर्य
भाग्यांक स्वामी	शनि
नामांक स्वामी	मंगल
मित्र अंक	4, 8
शत्रु अंक	5, 6
सम अंक	2, 3, 7, 9
मुख्य वर्ष	2017,2026,2035,2044,2053,2062,2071,2080
शुभ आयु	16,25,34,43,52,61,70,79
शुभ वार	रवि, सोम
शुभ मास	जन, अप्रै, अग
शुभ तारीख	1, 10, 19, 28
शुभ रत्न	माणिक्य
शुभ उपरत्न	लाल हकीक,लाल तुर्मली
अनुकूल देव	सूर्य
शुभ धातु	ताम्र
शुभ रंग	लाल
मंत्र	ॐ ह्रां हीं ह्रौं सः सूर्याय नमः
शुभ यंत्र	सूर्य यंत्र

6	1	8
7	5	3
2	9	4

अंक जीवन ग्राफ

आपका मूलांक एवं भाग्यांक वर्ष के अंकों से एवं आयु के अंको से जो संबंध बनाते हैं वे एक ग्राफ के रूप में नीचे दिए गए हैं। इस ग्राफ द्वारा आप यह साफ साफ जान सकते हैं कि कौन सा आयु का वर्ष आपके लिए लाभकारी हो सकता है या कौन सा वर्ष अनिष्टकारी हो सकता है। इस ग्राफ को बनाने के लिए मूलांक एवं भाग्यांक के आयु वर्ष एवं उनके अलग अलग अंकों से संबंध को लिया गया है। यदि ग्राफ में 60 से ऊपर नंबर आ रहे हैं तो वह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है एवं जिसे 40 से कम नंबर प्राप्त हुए हैं वह वर्ष आपको कुछ कष्टदायक हो सकता है।



मुख्य वर्ष 2017,2026,2035,2044,2053,2062,2071,2080

शुभ आयु 16,25,34,43,52,61,70,79

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक दस है। एक एवं शून्य का जोड़ एक होता है जोकि अंक ज्योतिषानुसार आपका मूलांक होता है। मूलांक एक का स्वामी सूर्य और शून्य को ब्रह्म या शिव माना गया है। इनके प्रभाववश आप अपने क्षेत्र में एक प्रभावशील व्यक्ति होंगे। सूर्य जिस तरह से प्रकाशित एवं अस्त होता है वैसे ही आपके जीवन में काफी ऐसे अवसर आयेंगे जिनमें आपको सफलताएं प्राप्त होंगी। कभी-कभी अस्त सूर्य के समान असफलता का भी सामना करना पड़ेगा। लेकिन आप असफलता से पीछे नहीं हटेंगे। कुछ दिन शिव की तरह शांत रहकर पुनः सफलता अर्जित करेंगे। संघर्ष, साहस, धैर्य एवं उच्च महत्वाकांक्षायें आप में अधिक रहेंगी।

आप स्थिरवादी, दृढ़ निश्चयी, वचनशील व्यक्ति रहेंगे। इन गुणों, वश मेहनत एवं ईमानदारी से सफलता अर्जित करेंगे। संघर्षों से पीछे नहीं हटेंगे। समाज में नाम तथा यश प्राप्त करेंगे। आप परोपकारवादी, बहुतों के पोषक बनेंगे। आर्थिक स्थिति आपकी मध्य अवस्था में काफी ठीक रहेगी। समाज में आपका अच्छा नाम होगा।

मानसिक स्थिति आपकी स्वतंत्र विचारधारा की रहेगी। इससे आपको पराधीन रहकर कार्य करना अच्छा नहीं लगेगा। आप किसी के आधीन कार्य करने की अपेक्षा स्वतंत्र रूप से कार्य करने पर अपनी प्रतिभा का उपयोग अधिक करेंगे। आप अपने कार्य करने के ढंग में स्वतंत्रता, निष्पक्षता, अधिक पसन्द करेंगे।

भाग्यांक आठ का स्वामी शनि ग्रह को माना गया है। शनि ग्रह अति धीमा होने से तीस वर्ष में एक राशिपथ भ्रमणचक्र पूर्ण करता है। इसके प्रभाव से आपका भाग्योदय भी धीरे-धीरे होगा। आप भले ही कितनी भी गरीबी में उत्पन्न हुए हों आपका भाग्य सीढ़ी दर सीढ़ी चढ़ता चला जायेगा। इस मध्य रुकावटें भी आयेंगी, जिन्हें आप धैर्य एवं अपने श्रम से पार कर लेंगे। आलस्य एवं निराशा आपकी तरक्की की बाधाएं रहेंगी। इन पर विजय प्राप्त करना आपकी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

आप अपने कार्यक्षेत्र में काफी महत्वपूर्ण उपलब्धियों को प्राप्त करेंगे। आपकी सभी सफलताएं विधनों से युक्त होते हुये भी आप आसानी से अपनी तरक्की के रास्ते स्वयं निर्मित कर लेंगे। आपका भाग्योदय 35 वर्ष की अवस्था के पश्चात ही होगा। बचपन की अपेक्षा मध्य तथा अन्तिम अवस्था आपके भाग्योदय में विशेष सहायक होगी। अन्तिम अवस्था आपकी अच्छी रहेगी एवं धन सम्पत्ति का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे।

आपका मूलांक 1 तथा भाग्यांक 8 है। मूलांक के स्वामी सूर्य ग्रह का भाग्यांक 8 के स्वामी ग्रह शनि से मित्र संबंध होने के कारण आपको इन दोनों ही ग्रहों के मिलेजुले फल प्राप्त होंगे। सूर्य एवं शनि के प्रभाव से आपकी सामाजिक स्थिति धीरे-धीरे उन्नतिशील हो कर स्थायी ख्याति एवं लाभ प्राप्त होगा। सूर्य के प्रभाव से आप प्रकाशित होंगे एवं शनि के प्रभाव से स्थिरता प्राप्त होगी। सूर्य शीघ्र सफलता देता है, शनि अवरोध पैदा करता है। अतः आपके कार्य रुकावटों के साथ पूर्ण होंगे। शनि के प्रभाव से आप नीचे से, अपनी मेहनत के द्वारा, धीरे-धीरे ऊपर की ओर उच्चता को प्राप्त करेंगे। आपके कार्यों में देरी अवश्य होगी, लेकिन कार्य स्थायी

बनेंगे।

मूलांक 1 तथा भाग्यांक 8 के प्रभाववश आपका प्रारंभिक भाग्योदय 26 वर्ष की अवस्था से प्रारंभ हो कर 28 वर्ष की अवस्था तक विशेष सफलताएं अर्जित करेगा। इसके पश्चात् 35 वर्ष की अवस्था से 37 वर्ष की अवस्था के मध्य विशेष लाभ प्राप्त होंगे।

आपके मूलांक 1 की मित्रता 4 एवं 8 से है तथा भाग्यांक 8 की मित्रता 1 एवं 4 से है। अतः आपके जीवन में 1, 4, 8 के अंक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। इनसे आपके जीवन में कुछ विशेष घटनाएं घटित होंगी।

आपके मूलांक की आपके भाग्यांक से मित्रता होने से मूलांक-भाग्यांक के फल आपके अनुरूप जाएंगे। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों, मास, ईस्वी सन् या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास, या उपर्युक्त वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभ वार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगे, तो पाएंगे कि काफी घटनाएं इन्हीं अंकों के मास, वर्ष या दिन को घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्हीं अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना आपके लिए अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए जनवरी, अप्रैल, अगस्त के माह विशेष घटनाक्रम वाले होंगे तथा आप कोई भी नया कार्य ऐसे ही दिन प्रारंभ करें, जब दिन, तारीख, मास तथा वर्ष आपके मूलांक तथा भाग्यांक से भी मेल स्थापित करें तथा एक ही समय पर सभी शुभ रहें।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 1, 4, 8 होता है, आपके लिए शुभ फलदायक रहेंगे।

- 1 . 10, 19, 28, 37, 46, 55, 64, 73
- 4 . 13, 22, 31, 40, 49, 58, 67
- 8 . 17, 26, 35, 44, 53, 62, 71

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनकारी रहेंगे। इन वर्षों में कुछ प्रमुख घटनाएं घटित होंगी, जो आपके जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार साबित होंगी।

नामांक विचार

संसार में नाम नहीं तो कुछ भी नहीं। मनुष्य का सही नाम ही गगन चुम्बी होता है। सही फलदायी नाम से ही मनुष्य देश-विदेश में प्रसिद्धि पाता है। अतः हमेशा ऐसे नाम का चुनाव करना चाहिए जो आपको समाज में यश, कीर्ति तथा प्रतिष्ठा प्रदान करे और सदियों तक समाज में आदर के साथ याद किया जाए। आपका नाम आपके भाग्य व प्रतिष्ठा को बढ़ाने में कितना साथ दे रहा है निम्न गणना से आप जान सकते हैं एवं नाम को ठीक कर अपने भाग्य की वृद्धि कर सकते हैं।

Saubhagya Mahakul

3+1+6+2+5+1+3+1+1 4+1+5+1+2+6+3

नाम का योग : 45 नामांक : 9

आपके नाम का कुल योग पैंतालीस होता है। चार एवं पाँच के योग से नौ आपका नामांक होता है। अंक चार का स्वामी हर्षल एवं पाँच का स्वामी बुध ग्रह को माना गया है। नामांक नौ का स्वामी मंगल ग्रह है। इन तीनों ग्रहों के प्रभाव आपके नाम को प्रभावित करेंगे। हर्षल के प्रभाव से आप एक संघर्षशील व्यक्ति के रूप में जाने जायेंगे। आप जमाने से काफी आगे की सोच रखेंगे। समाज में आप ख्याति प्राप्त करेंगे। बुध के प्रभाव से आप जो भी कार्य हाथ में लेंगे उसे जल्दी समाप्त करना पसंद करेंगे। आप ऐसा कार्य क्षेत्र अपनायेंगे जिसमें मेहनत कम और लाभ अधिक मात्रा में प्राप्त हो। जल्दबाजी के कारण आपको हानि का सामना भी करना पड़ेगा। स्वास्थ्य आपका उत्तम रहेगा। आपको निरन्तर कार्य में लगे रहना होगा तभी अच्छी सफलता मिलेगी। नामांक स्वामी मंगल के प्रभाव से आपको खुशामदी एवं चापलूस व्यक्तियों से हानि की संभावना रहेगी। आपको हमेशा सौम्य व्यवहार रखना भाग्य में वृद्धि कारक रहेगा।

आपके नाम का नामांक 9 है। इसके आपके मूलांक 1 से शत्रु संबंध तथा भाग्यांक 8 से सम संबंध है। इस कारण आपको अपने नाम का पूर्ण फल प्राप्त करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। आप अपनी मेहनत के द्वारा अपने नाम को उच्च श्रेणी में ले जाने का प्रयास करेंगे। लेकिन मूलांक स्वामी एवं भाग्यांक स्वामी का आपके नाम को उच्चता प्रदान करने में पूर्ण सहयोग प्राप्त नहीं होगा। अतः आप यदि अपने नाम में परिवर्तन कर लेते हैं तो आपको मूलांक स्वामी तथा भाग्यांक स्वामी का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा और आपका नाम सामाजिक क्षेत्र में उच्चकोटी की सफलता प्राप्त करने में सफल रहेगा।

आपके नाम के अंक का आपके मूलांक 1 तथा भाग्यांक 8 दोनों से ही मिलान नहीं हो रहा है। अतः आपका नाम आपके लिए अहितकर हो सकता है। यदि आप अपने नाम का अच्छा फल पाना चाहते हैं तो आपको अपने नाम में परिवर्तन करना लाभप्रद रहेगा। आप ऐसे नाम का चुनाव कीजिये जोकि आपके मूलांक तथा भाग्यांक दोनों से ही मिलान करे तथा उसका नामांक 1 आता हो और 6 न हो तो ऐसा नाम आपकी रुकी हुई प्रगति के द्वार खोलेगा तथा आप पूर्ण रूपेण सांसारिक सफलताएं अर्जित करेंगे। नाम परिवर्तन हेतु आपके लिए 4,8 अंक

शुभ रहेंगे तथा 3,5 अंक अहितकर होंगे।

नाम में परिवर्तन करने हेतु अंग्रेजी वर्णाक्षरों को अंकों में परिवर्तन करने की विधि उदाहरण सहित नीचे दी जा रही है। जिसकी सहायता से आप आसानी से नाम परिवर्तन अथवा नाम में वांछित संशोधन कर अपने अनुकूल नामांक बना सकते हैं। नाम परिवर्तन से आप मूलांक तथा भाग्यांक के साथ-साथ अपने नाम को सार्थक कर सकेंगे।

A B C D E F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z

1 2 3 4 5 8 3 5 1 1 2 3 4 5 7 8 1 2 3 4 6 6 6 5 1 7

उदाहरणार्थ:-

एक अंक घटना:-	GANESHA $3+1+5+5+3+5+1=23=5$	GANESH $3+1+5+5+3+5=22=4$
एक अंक :-	RAM $2+1+4=7$	RAMA $2+1+4+1=8$
दो अंक :-	BINDRA $2+1+5+4+2+1=15=6$	BRINDRA $2+2+1+5+4+2+1=17=8$
तीन अंक :-	RAMCHAND $2+1+4+3+5+1+5+4=25=7$	RAMCHANDRA $2+1+4+3+5+1+5+4+2+1=28$
चार अंक :-	KRISHNA $2+2+1+3+5+5+1=19=1$	KRESHNA $2+2+5+3+5+5+1=23=5$
पाँच अंक :-	TEWARI $4+5+6+1+2+1=19=1$	TIWARI $4+1+6+1+2+1=15=6$
छः अंक :-	AGGARWAL $1+3+3+1+2+6+1+3=20=2$	AGARWAL $1+3+1+2+6+1+3=17=8$

लोशु फल

4		2
4	9	2
3	5	7
8	1 1 1	
8	1	6

लोशु चार्ट का परिचय

लोशु चार्ट चीनी अंक शास्त्र का एक अहम भाग है। यह चमत्कारी लक्ष्मी यन्त्र पर आधारित है। इस पद्धति के द्वारा हम किसी भी व्यक्ति की सिर्फ जन्मतिथि जानकर ही बड़ी सरलता व शीघ्रता से उसके संपूर्ण व्यक्तित्व को समझ लेते हैं। इस पद्धति के द्वारा हम उस व्यक्ति के चार्ट में अनुपस्थित अंकों के हानिकारक प्रभाव को दूर करने के उपाय भी बता सकते हैं। उपस्थित व अनुपस्थित अंकों की पक्तियां कालम व समूह व्यक्ति के विशेष व्यक्तित्व को बताने में सहायक होते हैं।

अंक 1 - तीन बार

आपके लोशु चार्ट में एक अंक तीन बार उपस्थित है। आप या तो बहुत अधिक बातें करते हैं, या कभी-कभी बिल्कुल शांत होकर, आत्ममंथन करना पसंद करते हैं। सच्चाई यह है कि वास्तव में आपके अंदर दोनों ही विशेषताएं होती हैं। परंतु आपके व्यक्तित्व का प्रदर्शन परिस्थिति पर निर्भर करता है। आपका प्रायः सभी से मिलाजुला संबंध होता है। न तो किसी से ज्यादा दोस्ती होती है और न ही शत्रुता का भाव। आप अपनी वाक्पटुता और व्यवहार से अपने साथी को खुश रखते हैं। दांपत्य जीवन में संतुलन बनाए रखने के लिए आप अपनी पत्नी की हर जरूरत का ध्यान रखते हैं। आप श्रेष्ठ बुद्धि के बल पर कार्यक्षेत्र में एक नया मुकाम हासिल करते हो। आप अपने लाभ के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है। आप निरंतर अपने काम में लगे रहते हैं और नये-नये परिवर्तन तथा आविष्कारों से अपने नाम को रौशन करने का

प्रयास करते हैं। आप हर काम करने से पहले कई बार सोचते हैं। आप अपने कामों में नवीनता लाने के लिए हमेशा प्रयासरत रहते हैं। आप नौकरी और व्यवसाय दोनों से लाभ प्राप्त कर सकते हैं। तीन बार 1 अंक वाले जातक प्रायः प्रसन्नचित एवं बहिर्मुखी होते हैं, और बहुत से प्रसिद्ध व्यक्तियों के चार्ट में यह संयोग होता है।

अंक 2 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में दो अंक एक बार उपस्थित है। जिस कारण आप संवेदनशील और अंतर ज्ञानी हैं, आप एक ही झलक में दूसरे व्यक्ति का सार निकाल लेने में प्रवीण हो, किन्तु दुर्भाग्य आपको शीघ्रता से आहत भी कर देता है, आप निष्ठाहीनता को ज्ञात करने की विलक्षण प्रतिभा के स्वामी हैं। आप शांत और संवेदनशील स्वभाव वाले हो, आपको अपनी बात किसी से कहते वक्त उसे ध्यान रखना होता है। कभी कभी बात ठीक ढंग से किसी से कह नहीं पाते हो। कोई भी बात आपको बहुत जल्दी चुभ जाती है। आप बहुत भावनात्मक हो। आप बड़े ही अंतर्मुख स्वभाव के होने से आपको भविष्य में घटने वाली घटनाओं के बारे में संकेत मिल जाते हैं। आपमें हिम्मत की कमी होती है, आप अपने दिमाग को किसी चीज पर केंद्रित नहीं कर पाते, कोई भी निर्णय जल्दी नहीं ले पाते, आप बड़े मूड़ी स्वभाव के होते हैं, बहुत जल्दी अपना स्वभाव बदल देते हैं, हसते हसते गंभीर हो जाते हैं।

अंक 3 - अनुपस्थित

लोशु चार्ट में अंक तीन की अनुपस्थिति हो तो गुरु जनों व ईश्वर की कृपा कम प्राप्त होती है। आत्मविश्वास की कमी रहती है, विचलित होने पर आप तार्किक रूप से नहीं सोच पाते, जिसके कारण आप स्वयं को व्यक्त करने में कठिनाई का अनुभव करते हैं। आपमें स्वयं की योग्यता को कम करके आंकने व स्वयं को न जताने की प्रवृत्ति भी होती है। विपत्ति के समय आप उचित प्रकार से सोच नहीं पाते और अधिक मेहनत करने के बाद उद्देश्य की प्राप्ति होती है। अपनी कल्पनाओं के अंदर खोये रहते हैं, अक्षर दूसरों के साथ अच्छे सम्बन्ध नहीं बना पाते, आप अर्धक दूर की नहीं सोच पाते, आपकी मानसिक क्षमता कमजोर होती है। जिस कारण आपको अनेक मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। आपकी कल्पनाशक्ति और ज्ञान कम होता है। आपके पास दूरदर्शिता भी नहीं रहती, यह मानसिक, शारीरिक, और आर्थिक तंगी में हालत से लड़ नहीं पाते। आप जल्दी परेशान हो जाते हैं, आपकी अध्यात्म और ज्ञान के विषय में रुचि नहीं रहती। आपको आवश्यकता इस बात की है कि आप स्वयं को स्वीकार कर आगे बढ़ें और धीरे-धीरे आत्मविश्वास व आत्मसम्मान में बढ़ोतरी करें।

अंक 4 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में चार अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप व्यावहारिक व हस्त कौशल में निपुण हैं, आप ऐसे व्यवसाय को पसंद करते हैं, जिसमें आप अपने हाथों से कार्य कर सकें, आप कल्पनाशील योजनाओं व सिद्धांतों से चिढ़ते हैं। आपमें दूसरों को संगठित करने और योजनाओं को पूर्णता तक पहुँचाने की क्षमता प्रकृति-प्रदत्त होती है। आप लोगों की संगीत व हस्त-शिल्प आदि कलाओं में भी गहरी रुचि होती है। आप अपनी कार्यक्षमता को अच्छे रूप

से दूसरों के समक्ष रखने में सक्षम हैं। आप सामान्यतया व्यवहार कुशल हो और कठिन परिस्थितियों व गंभीर मसलों को कूटनीति से सुलझाने में दक्ष हो। आपका स्वभाव शांत और कार्यों को पूरा करने में चतुराई से काम लेते हो।

अंक 5 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 5 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप लक्ष्य निर्धारण में कठिनाई का अनुभव करते हैं, और आपमें बहुमुखी प्रतिभा व इच्छा शक्ति का अभाव होता है। आप वार्तालाप करने में असफल, पढ़ने में मन न लगाना व पैसे का अभाव बना रहता है। आप जल्दी ही धैर्य छोड़ देते हैं, सफलता भी आसानी से नहीं मिलती, क्योंकि इनका बात करने का ढंग अच्छा नहीं होता है। चोट-चपेट और दुर्घटनाओं का दुर्योग बनता है। शस्त्राघात व दुर्घटना की संभावना जीवन में हमेशा रहती है। आपको हमेशा ही वाहन आदि सावधानी से चलने चाहिए। आपको अपने व्यक्तिगत जीवन में कई चुनौतियों और उतार-चढ़ावों का सामना करना पड़ता है। कई कार्यों में असफलता प्राप्त होती है, आपके पारिवारिक जीवन में उथल-पुथल मची रहती है। आपको दूसरों से सतत प्रेरणा की आवश्यकता होती है। ऐसे में आपको चाहिए कि यथार्थ लक्ष्य को निर्धारित करना सीखें, और उसे प्राप्त करने के पश्चात् ही अगले लक्ष्य कि ओर बढ़ें। अंक पांच की चार्ट में अनुपस्थिति सामान्य है।

अंक 6 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 6 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप स्वयं में आत्म-समर्पण की भावना उत्पन्न करें, आपमें अपनी अन्तर्भावनाओं को दूसरों से छिपाकर रखने की प्रवृत्ति होती है। इस प्रवृत्ति का कारण होता है, अपने माता अथवा पिता के साथ जीवन के प्रारम्भ में अच्छे सम्बन्ध, फलस्वरूप आपको तब तक अपने संबंधों में अनिश्चतता का सामना करना पड़ता है। जब तक कि आप हृदय से उन्मुक्त व उदार होना नहीं सीख लेते हैं। चिंता और तनाव आप लोगों के लिए विषमताओं के कारण हो सकते हैं। पारिवारिक जीवन में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, आपको पारिवारिक सहयोग मिलने में परेशानी आती है। आपका भी बच्चों और परिवार के प्रति लगाव कम होता है, आप लोगों की मदद तो करते हैं। लेकिन खुद के लिए मदद नहीं मिलती, दोस्तों की मदद नहीं मिलती, आपको भौतिक तथा पारिवारिक सुख व भोग विलास की कमी रहती है। आप जीवन के सकारात्मक पक्ष की अपेक्षा नकारात्मक पक्ष की ओर अधिक ध्यान देते हैं। आपको कभी भी विदेश से सम्बंधित काम नहीं करना चाहिए।

अंक 7 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में सात का अंक अनुपस्थित है। अतः आपको दूसरे लोगों की भावनाओं के प्रति अविवेक की प्रवृत्ति होती है। आप अपने दैनिक जीवन में अव्यवस्थित होते हैं। आपके कामों व पढ़ाई में रुकावट आती है। यह अंक मध्यम में होने के कारण सभी अंकों का आधार अंक है। आपकी आध्यात्मिक अथवा आत्मज्ञान सम्बन्धी बातों में कोई अभिरुचि नहीं होती। आत्मविश्वास की कमी के कारण आप एकांकी रहना भी पसंद नहीं करते, अत्यधिक स्वतंत्रता, तर्क तथा सहृदयता की कमी आपको अलोकप्रिय बना सकती है। आर्थिक संकट का सामना भी

करना पड़ता है। कई बार खुद की कार्य क्षमता में संदेह होने लगता है, कि क्या यह मैं कर पाउंगा या नहीं। आपको पेट के रोग, सिरदर्द, रक्त विकार व फेफड़े सम्बन्धी रोग की संभावना रहती है। आवश्यकता इस बात की है, कि आप अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करना व दूसरों के साथ घुलमिल कर रहना सीखें।

अंक 8 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में आठ अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप न्यायवर्ती, विधिपूर्वक कार्य करने वाले व विवरण संपादन के लिए उपयुक्त होते हैं, लेकिन यह आश्चर्य की बात है, कि आप हाथ में लिए कार्य पूर्ण नहीं कर पाते। आप चपल बुद्धि के स्वामी होते हैं, और नित्य नए विषम कार्य ढूंढते हैं। आपमें एकाग्रता की कमी होती है, और जीवन में बड़ा संघर्ष करना पड़ता है। फिर भी जीवन में अधिक सफल नहीं हो पाते हैं, इसलिए ये एकाकीपन का अनुभव करते हैं। आपमें बाहरी प्रदर्शन नहीं होता, इसलिए समाज आपको कठोर एवं रूखे हृदय का मानता है। आप अपने मर्जी के मालिक होते हैं तथा कई बार असामान्य व्यवहार प्रदर्शित करते हैं। यदि आप सही रूप में शिक्षित तथा आत्मनियंत्रित नहीं होते तो आप जल्दबाजी में काम करते हैं। जिससे बाद में आपको पछताना पड़ता है, आपके कामों में कई बाधाएं भी आती हैं, और कार्य विलम्ब से पुरे होते हैं।

अंक 9 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 9 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप दूसरों की भावनाओं तथा आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने की प्रवृत्ति रखते हैं। आप उचाट प्रकृति के होते हैं, और दूसरों के जीवन में क्या घटित हो रहा है। इसके प्रति उदासीन रहते हैं। अति उत्साह में आप उद्देश्य से भटक जाते हैं। असुरक्षा की भावना के कारण आप निर्णय और न्याय के प्रति संदेहास्पद हो जाते हैं। आप दूसरों की भावनाओं की कदर नहीं करते, मानव कल्याण के बारे में नहीं सोचते, आपमें शौर्य की कमी रहती है। जीवन में संघर्ष अधिक करना पड़ता है व सुख साधन असानी से प्राप्त नहीं होते। आप बहुधा अपनी कल्पनाओं के जगत में ही विचरण करते हैं। आपको बचपन में विद्यार्जन में अनेक कठिनाइयां आती हैं। जो आपके जीवन को संघर्षमय बना देती है। आपको खुद को सेवा में लगाने और सच्चे मानवतावादी बनने के लिए सिखने की जरूरत है। आवश्यकता इस बात की है, कि आप स्वयं में समर्पण की भावना तथा दयालुता के गुणों को विकसित करें।

एकाकीपन के अंक - 3. 5 व 7

आपके लोशु चार्ट में 3. 5 व 7 अंकों की अनुपस्थिति है। अतः आप अपना ध्येय प्राप्त करने में इतने तत्पर होते हैं, कि आप अपने परिवार व इष्ट-मित्रों को भूल जाते हैं। जिसके फलस्वरूप आपके जीवन में आनंद, प्रेम व हंसी-खुशी का अभाव सा होता है। आपमें शारीरिक शक्ति कम होती है, इसलिए जल्दी बीमार पड़ जाते हैं। बड़ी उम्र में आप प्रायः एकाकीपन से अत्यधिक कष्ट सहते हैं, आप दूसरों के ऊपर विश्वास के बजाय किसी चीज को प्रदर्शित कर या सिद्ध कर दे खना पसंद करते हैं। आप लोग सामान्यतः धर्म के प्रति संकुचित विचार रखते हैं, तथा

सामान्य रूप से आप अपने माता-पिता की मान्यता को स्वीकार करते हैं, तथा किसी रूप में इस सम्बन्ध में कोई प्रश्न नहीं करते, आप लोग प्रिय, ईमानदार एवं साफ सुथरे होते हैं, लेकिन दूसरों के सामने अपनी भावनाओं को व्यक्त करने में कठिनाई महसूस करते हैं। आप आदर्शवादी होते हैं तथा आपमें दूरदर्शी की अद्भुत योग्यता होती है। जिससे आपमें पूर्वाभास की असीम क्षमता उत्पन्न हो जाती है।

जल तत्त्व - अंक 1

आपके लोशु चार्ट में जल तत्त्व की उपस्थिति है। जल बुद्धि और ज्ञान का प्रतिनिधित्व करता है, जल लचीला है फिर भी मजबूत है, अभी भी बह रहा है। 1, अंक सूर्य से सम्बंधित है, जल शांत है फिर भी खतरनाक है। जल के लिए सतह केवल शुरुआत है, इसकी गहराई में छिपे वास्तविक चाल के साथ, जल तत्त्व वाले वे नहीं हैं, हालांकि आप अपनी खुद की कंपनी और आंतरिक प्रतिबिम्ब के लिए समय का आनंद लेते हैं। आप अक्षर शांत और शांति पूर्ण होते हैं, लेकिन दूसरों को अभिभूत करने की एक बड़ी क्षमता होती है, आप निडर, साहसी व स्वाभिमानी भी होते हैं। नौकरी हो या व्यवसाय अपनी कड़ी मेहनत की बदौलत आप हमेशा उच्च शिखर पर पहुँचते हो, किसी भी कार्य को करने में आप निपुण हैं आप अपने जीवन को निष्पक्ष तरीके से देखते हैं।

खूबियां- आप राजनैतिक कार्यों में कुशल, परिवार, समाज, राष्ट्र आदि सभी का नेतृत्व करने की आपें क्षमता होती है। तेज नज़र, सहानुभूति और अच्छे मध्यस्थ, दृढ़, सहज और लचीला, कोमल लेकिन मजबूत, और आप दूरदर्शिता के गुणों से युक्त होते हैं।

कमजोरियां - स्व कृपालु, बहुत निष्क्रिय, दूसरों पर बहुत ज्यादा भरोसा करना, दुविधा में पड़े रहना, चिंतित रहना आदि अवगुण होते हैं।

पृथ्वी तत्त्व - अंक 2, 5, 8

आपके लोशु चार्ट में पृथ्वी तत्त्व की उपस्थिति है। पृथ्वी स्थिर और मध्यस्थ होती है। यह एक प्राकृतिक जन्म शांति रक्षक होता है। पृथ्वी धैर्यवान, विचारशील और शांत होती है। जबकि पृथ्वी गर्म और पोषित होती है, यह आसानी से स्व-केंद्रित भी हो सकती है क्योंकि यह मानती है कि यह सब कुछ का केंद्र है। पृथ्वी सुरक्षात्मक है और वे उन जड़ों का प्रतिनिधित्व करती हैं। जो सब कुछ एक साथ रखती हैं, हालांकि, यह भी नियंत्रित हो सकती है। इस तत्त्व के लोग सहानुभूति की एक बड़ी मात्रा में होते हैं और खुद को लगातार दूसरों की खुशी के बारे में चिंतित पाते हैं। 2 अंक चन्द्रमा का है, 5 अंक बुध का और 8 अंक शनि से सम्बंधित है, ऐसे व्यक्ति धनाढ्य होते हैं, इनका अपना जमीन से जुड़ा हुआ मकान होता है।

खूबियां - ऐसे लोग स्थिर प्रवृत्ति के, गंभीर, व्यावहारिक, तार्किक, अनुकंपा, देखभाल, सहानुभूति, उत्तरदायी, वफादार होते हैं और ईमानदार, पोषण, संगठित व योजना बनाने में अच्छे, मजबूत और स्थायी होते हैं।

कमजोरियां - अतिसंरक्षित, ज़िद्दी, जन्मजात कंजूस, रुढ़िवादी, जोखिम लेने में परेशानी होती है।

काष्ठ तत्त्व - अंक 3, 4

आपके लोशु चार्ट में काष्ठ तत्त्व की उपस्थिति है। काष्ठ उदार और विशाल होती है और दूसरों की गहराई से देखभाल करती है। बांस के साथ, काष्ठमजबूत होती है। फिर भी लचीली होती है और एक प्राकृतिक जन्म से नेता भी है। इसकी जड़ें पृथ्वी में गहरी खुदाई करती हैं, हालांकि, काष्ठ को जीवित रहने के लिए नमी की भी आवश्यकता होती है। काष्ठ की विशेषताएं अक्सर कामुकता और धैर्य से जुड़ी होती हैं। हालांकि, इसे संतुलित करने के लिए, काष्ठ घुसपैठ और आक्रामक भी हो सकता है। 3, अंक गुरु से और 4 अंक राहु से सम्बंधित है। ऐसे व्यक्ति लगातार विस्तार और आगे बढ़ने की तलाश में होते हैं। जटिल से जटिल कार्य को करने में सक्षम होते हैं। अपने काम को आसानी से निकाल लेते हैं।

खूबियां- यह काफी चतुर होते हैं, इनमें अच्छी समझ, गर्म, मिलनसार, दयालु, लचीला और अनुकूलनीय, स्थिर और व्यावहारिक, उदार होते हैं।

कमजोरियां - सीमाओं या सीमाओं की अच्छी समझ नहीं है, बहुत ज्यादा निष्क्रिय हो जाते हैं, दूसरों पर बहुत अधिक भरोसा कर लेते हैं।

धातु तत्व अंक - 6, 7 की अनुपस्थिति

आपके लोशु चार्ट में धातु तत्व की अनुपस्थिति है। अतः आप न तो किसी के अनुचित दबाव में रह सकते हैं और न कोई इनके विचारों पर हावी हो सकता है। आप स्वतंत्र निर्णय लेने वाले होते हैं। अनेक योजनाएं बनाते हैं। लेकिन उनको कार्यरूप नहीं दे पाते। विद्या प्राप्ति में भी कई बाधाएं आती हैं। सम्पत्ति एवं धन झगड़ों का सामना करना पड़ता है। आपमें ईर्ष्या की भावना दूसरों की अपेक्षा अधिक होती है। इनका झुकाव 2, 3, 4, 6, 9, अंक के स्त्री- पुरुषों की और अधिक होता है। इसमें 6, अंक शुक्र और 7, अंक केतु से सम्बंधित है। ये दोनों अंक धातु तत्व को दर्शाते हैं। इन दोनों अंकों की अनुपस्थिति सुखों में कमी लाने वाली है।

अग्नि तत्व अंक - 9 की अनुपस्थिति

आपके लोशु चार्ट में अग्नि तत्व की अनुपस्थिति है। अतः आपका जीवन संघर्षमय होता है। आपके स्वभाव के कारण आपके बहुत से शत्रु बन जाते हैं। भाई बहनों का कम सुख मिलता है। जीवन में आपके घर में चोरी और आग की दुर्घटना होने की सम्भावना रहती है। आपमें निर्णय लेने की क्षमता अच्छी होती है। लेकिन निर्णय बहुत जल्दवाजी में लेते हैं जिस कारण इन्हें बहुत सी परेशानियों का सामना भी करना पड़ता है। अति उत्साह में आप उद्देश्य से भटक जाते हैं। असुरक्षा की भावना के कारण आप निर्णय और न्याय के प्रति संदेहास्पद हो जाते हैं। जीवन में संघर्ष अधिक करना पड़ता है व सुख साधन आसानी से प्राप्त नहीं होते। आप बहुधा अपनी कल्पनाओं के जगत में ही विचरण करते हैं।

अंक ज्योतिष उपाय विचार

अनुकूल समय

पाश्चात्य मतानुसार दिनांक 21 मार्च से 20 अप्रैल तथा 24 जुलाई से 23 अगस्त एवं भारतीय मतानुसार दिनांक 13 अप्रैल से 12 मई और 17 अगस्त से 16 सितंबर तक गोचर में सूर्य मेष तथा सिंह राशि में रहता है। मेष में सूर्य उच्च का तथा सिंह में अपने घर में होता है। इस समय में सूर्य की किरणें प्रखर एवं तेजस्वी होने से मूलांक एक के लिए यह समय सभी दृष्टियों से उन्नतिशील तथा कार्यों में प्रगति देने वाला रहेगा। इस समय में किये गये कार्य अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल रहेंगे।

अनुकूल दिवस

रविवार एवं सोमवार के दिन आपके लिये विशेष शुभ फलदायक रहेंगे। यदि आपकी अनुकूल तारीखों में से ही किसी तारीख को रविवार या सोमवार पड़ रहा हो तो ऐसा दिन आपके लिए अधिक अनुकूल और श्रेष्ठ फलदायक होगा।

शुभ तारीखें

अपने उच्च अधिकारी से मिलने जाना हो या पत्र लिखना अथवा किसी से मिलना, कोई नया कार्य या व्यापार आदि प्रारंभ करने हेतु आपको किसी भी माह की 1, 4, 8, 10, 13, 17, 19, 22, 26, 28, और 31 तारीखें अनुकूल रहेंगी। अतः आप यदि कोई कार्य इन तारीखों को ही प्रारंभ करें तो अधिक सुविधापूर्ण एवं शीघ्र सफल होगा।

अशुभ तारीखें

आपके लिए किसी भी माह की 5, 6, 14, 15, 23, एवं 24 तारीखें कोई भी नया कार्य करने हेतु प्रतिकूल हो सकती हैं। अतः उक्त तारीखों में कोई भी महत्वपूर्ण कार्य न करें।

मित्रता या साझेदारी

आप ऐसे व्यक्तियों से मित्रता या साझेदारी स्थापित करें जिनका जन्म 1, 10, 19, और 28 तारीखों को अथवा दिनांक 13 अप्रैल से 12 मई और 17 अगस्त से 16 सितंबर के मध्य हुआ हो। ऐसे व्यक्ति आपके लिए अनुकूल सहयोगी एवं विश्वासपात्र सिद्ध होंगे। इस प्रकार के व्यक्तियों से आपकी मित्रता स्थायी एवं दीर्घ रहेगी तथा रोजगार, व्यवसाय, साझेदारी आदि में सहायक होगी।

प्रेम संबंध एवं विवाह

मूलांक 1, 4, या 8 से प्रभावित महिलाएं आपकी अच्छी साथी सिद्ध हो सकती हैं। उक्त मूलांक वाली महिलाओं से आप सहज ही प्रेम संबंध स्थापित कर सकते हैं तथा उसमें सफल भी हो सकते हैं। जिनका जन्म किसी भी माह की 1, 4, 8, 10, 13, 17, 19, 22, 26, 28, और 31 तारीखों में हुआ हो वे सभी स्त्रियां आपके लिए सहायक एवं लाभ पूर्ण रहेंगी।

अनुकूल रंग

आपके लिए अधिक अनुकूल रंग पीला या ताम्रवर्ण है। पीला भी पूर्णतः पीला नहीं, अपितु सुनहरा पीला होना चाहिए। आप यथासंभव इसी रंग का उपयोग ड्राइंग रूम के पर्दे, चादर, तकिये, बिछावन आदि में लें। हो सके तो अपने पास इस रंग का रुमाल तो आप हर समय रखें। स्वास्थ्य की क्षीणता के समय भी आप इसी रंग के वस्त्र पहनेंगे तो आपका स्वास्थ्य शीघ्र ठीक हो जाएगा।

वास्तु एवं निवास

आपके ऐसे राष्ट्र, देश, प्रदेश, शहर, ग्राम, बाजार, मकान, कॉम्प्लेक्स या फ्लैट में निवास करना शुभ रहेगा, जिसका मूलांक या नामांक एक हो। पूर्व दिशा आपके लिए हमेशा शुभ रहेगी। अतः आप अपने शहर के पूर्वी क्षेत्र में, या भवन के पूर्वी क्षेत्र में निवास करें। आपकी बैठक पूर्व दिशा की ओर होना लाभप्रद रहेगा। आपके लिए पूर्वी क्षेत्र के व्यक्ति, पूर्वी देशों, पूर्वी स्थानों में नौकरी, रोजगार, व्यापार करना शुभ रहेगा। पहनने के वस्त्रों का चुनाव करते समय भूरा, पीला, सुनहरी रंगों का समावेश आपके कपड़ों में होने से आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। भवन, वाहन, दीवारें, पर्दे, फर्नीचर इत्यादि का रंग भी यदि आप पीला, सुनहरी या भूरा रखेंगे तो आपके पारिवारिक वातावरण में खुशहाली बढ़ेगी।

शुभ वाहन नं

यदि आप वाहन आदि खरीदते हैं तो उसके पंजीकरण के लिए नंबर आपके अपने मूलांक तथा मूलांक के मित्र अंक से मेल रखने वाले अंकों को लेना हितकर रहेगा।

आपका मूलांक 1 है। अतः आपके लिए अंक 1,4,8, अच्छे रहेंगे। इसलिए आपके वाहन पंजीकरण क्रमांक का योग 1, 4 या 8 रहेगा, जो अधिक अच्छा रहेगा, जैसे पंजीकरण क्रमांक 5230 = 1 इत्यादि। आपकी यात्रा के वाहनों के अंक भी यदि 1, 4, या 8 हैं तो आपकी यात्रा लाभप्रद रहेगी। यदि आप होटल में कमरा बुक करवाते हैं तो उसका नंबर 100 = 1 इत्यादि होगा, तब वह कमरा आपके लिए हितकर रहेगा।

स्वास्थ्य तथा रोग

हृदय पक्ष आपका कमजोर रहेगा तथा हृदय संबंधी कोई कष्ट आपको अधिक उम्र पर हो सकता है। रक्त संबंधी बीमारियां भी यदा - कदा हो सकती हैं। वृद्धावस्था में रक्त चाप, 'हार्टअटैक' तथा नेत्र पीड़ा जैसे रोगों की संभावना रहेगी, जिसे आप सूर्योपासना द्वारा दूर कर सकते हैं। जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आएगी तब आपको डिप्थीरिया, अपच, रक्त दोष, गठिया, रक्तचाप, स्नायविक दुर्बलता, नेत्र पीड़ा आदि रोग होंगे। उक्त रोगों से आपको हर समय सावधान रहना चाहिए। रोग, कष्ट तथा विपत्ति के समय आपको सूर्योपासना पर बल देना चाहिए तथा रविवार के दिन नमक रहित एक समय भोजन करना चाहिए।

व्यवसाय

आपके लिए हुकूमत, प्रशासक, नेतृत्व, अधिकारी, आभूषण, जौहरी का कार्य, स्वर्णकारिता, विद्युत की वस्तुएं, चिकित्सा, मेडिकल स्टोर, अन्न का व्यवसाय, भूप्रबंध, मुख्यावास या उच्च स्थान प्राप्ति, मकानों की ठेकेदारी, राजनीतिक कार्य, शतरंज के खेल, अग्नि सेवा कार्य, सैन्य विभाग, राजदूत, प्रधान पद, जलप्रदाय विभाग, श्रमशील कार्य आदि के क्षेत्र में रोजगार-व्यापार करना लाभप्रद रहेगा।

व्रतोपवास

आपको रविवार का व्रत रखना लाभप्रद एवं रोग मुक्तिकारक रहेगा। एक समय भोजन करें। भोजन के साथ नमक का सेवन न करने से यह विशेष फलदायक रहता है। व्रत के दिन भोजन करने से पूर्व प्रातः स्नान के पश्चात सुगंधित अगरबत्ती जला कर 'आदित्य हृदय स्तोत्र' का पाठ करें। तब आपको स्वयं अनुभव होगा कि आप विभिन्न बाधाओं से मुक्त हो रहे हैं एवं बीमारियां आपसे दूर रहेंगी। यह व्रत एक वर्ष, तीस या बारह रविवारों को करें। व्रत के दिन लाल वस्त्र धारण करें, सूर्य गायत्री मंत्र से सूर्य को अर्घ्य दें। तांबे का अर्घ्य पात्र लें। उसमें जल भरें। जल में लाल चंदन, रोली, चावल, लाल फूल एवं दूब डाल कर, सूर्य भगवान का दर्शन करते हुए अर्घ्य प्रदान करें। पश्चात् सूर्य के मंत्र का यथाशक्ति, सूर्य मणि माला पर जप करें।

अनुकूल रत्न या उपरत्न

माणिक आपका प्रधान रत्न है। माणिक के अभाव में गारनेट, तामड़ा, लालड़ी, सूर्यमणि या लाल हकीक शुक्ल पक्ष में रविवार के दिन, लाभ के चौघड़िया मुहूर्त में, सोने की अंगूठी में, लगभग पांच रत्ती का, दायें हाथ की अनामिका उंगली में, त्वचा को स्पर्श करता हुआ धारण करें।

अनुकूल देवता

आप सूर्योपासना करें तथा उगते सूर्य का दर्शन करते हुए नित्य एक लोटा अर्घ्य (रोली, चावल जल में डाल कर) ग्यारह या इक्कीस बार सूर्य गायत्री मंत्र का जप करते हुए, सूर्य भगवान को प्रदान करें। सूर्य जीवनदाता है। अतः इस क्रिया को करने पर आप विभिन्न रोंगो तथा समस्याओं से मुक्त होंगे। यदि यह संभव न हो सके तो माणिक जड़ी स्वर्ण अंगूठी के दर्शन कर लें।

ग्रह गायत्री मंत्र

आपके लिए, सूर्य के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु, सूर्य के गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

सूर्य गायत्री मंत्र - आदित्याय विद्महे प्रभाकराय धीमहि तन्नः सूर्यः प्रचोदयात् ॥

ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप सूर्य का ध्यान करें, मन में सूर्य की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें।

जपा कुसुम संकाशं काश्यपेयं महाद्युतिम् ।
तमोऽरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽस्मि दिवाकरम् ॥

ग्रह जप मंत्र

अशुभ सूर्य को अनुकूल बनाने हेतु सूर्य के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान साठ माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः ॥ जप संख्या 6000 ॥

वनस्पति धारण

आप रविवार के दिन बिल्वपत्र की एक इंच लंबी जड़ लाकर, गुलाबी धागे में लपेट कर, दाहिने हाथ में बांधें अथवा स्वर्ण या तांबे के ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे सूर्य ग्रह के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

वनस्पति स्नान

आपके लिए प्रत्येक रविवार को एक बाल्टी या बर्तन में कनेर, दुपहरिया, नागरमोथा, देवदारु, मैनसिल, केसर, इलायची, पद्माख, महुआ के फूल, सुगंध बाला आदि औषधियों का चूर्ण कर, पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्ति दायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ सूर्य के प्रभाव क्षीण हो कर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्रदान करेगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए आपको कूठ, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारु, हल्दी, सर्वौषधि तथा लोध, इन सबको मिलाकर चूर्ण कर, किसी तीर्थ के पानी में मिला कर, भगवान का स्मरण करते हुए स्नान करें, तो ग्रहों की शांति और सुख-समृद्धि प्राप्त होगी।

दान पदार्थ

योग्य व्यक्ति के लिए सूर्य की शांति हेतु सूर्य के पदार्थ गेहूं, गुड़, रक्त चंदन, लाल वस्त्र, सोना, माणिक्य आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

यंत्र

सूर्य को अनुकूल बनाए रखने हेतु सूर्य यंत्र को भोजपत्र पर अष्टगंध (केसर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या श्वेत चंदन) स्याही से लिख कर सोने या तांबे के ताबीज में, धूप-दीप से पूजन कर, सोने की जंजीर या लाल धागे में, रविवार को शुक्ल पक्ष में प्रातःकाल धारण करें।